दैनिक
जयवर्द्धन
पत्र पंजीयन संख्या RJBIL/26/A5478

पेज 3 पर पढ़े - नन्द के आनन्द भयो, जय कन्हैयाल की...

वर्ष - 01 | अंक - 43 | राजसमंद - शुक्रवार, 04 सितम्बर 2026 | मूल्य - 2 रुपया | मो.- 96729 80901 | पृष्ठ - 4

देवगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मकान से चोरी के मामले का किया खुलासा

- 2 आरोपी गिरफ्तार, सोने-चांदी के जेवरात बरामद

जयवर्द्धन न्यूज़

देवगढ। एसपी हेमंत कलाल द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने और चोरी के मामलों के निस्तारण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत देवगढ़ थाना पुलिस ने सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। एएसपी महेंद्र पारीक एवं डीएसपी भीम राकेश कुमार वर्मा के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मुकेश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। मामला कालिकाकर मेडिया काछबली निवासी ओमादेवी पत्नी मनोहर सिंह रावत का है। पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 अप्रैल को वह अपने पीहर जस्सा खेड़ा शादी में गई कि 13 मई को जब वह वापस घर लौटी, तो अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने गायब थे। चोर अलमारी से लगभग 10 ग्राम वजन की सोने की रखड़ी, 3 तोला सोने के मादलिया और करीब 2 किलो 250 ग्राम चांदी के टके चुरा ले गए थे। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय गुप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। इस पर पुलिस ने आरोपी सज्जनराम पुत्र खुमाराम सालवी और चुन्नीलाल पुत्र लादूराम सालवी (दोनों निवासी चारणिया, थाना देवगढ़) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही से चोरी किया गया संपूर्ण माल बरामद करने के साथ ही अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

देवगढ़। सूने मकानों में चोरी करने के आरोप में देवगढ़ पुलिस की गिरफ्त में दोनो आरोपी।

नगर परिषद चुनाव में सात निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लेकर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को दिया समर्थन

राजसमंद। भाजपा के पक्ष में अपना नामांकन उठाने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों का स्वागत करते जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल।

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। नगर परिषद चुनाव में भाजपा को उस समय बड़ी मजबूती मिली, जब विभिन्न वार्डों से सात निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस लेकर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के समर्थन का ऐलान किया। जिला मीडिया संयोजक अरविंद सिंह भाटी ने बताया कि इस निर्णय से भाजपा संगठन को मजबूती मिली है और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल ने कहा कि निर्दलीय प्रत्याशियों का भाजपा के समर्थन में आना पार्टी की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर प्रत्येक वार्ड में पूरी ताकत से जुटने और भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को विजयी बनाने का आह्वान किया। नामांकन वापस लेने वाले निर्दलीय प्रत्याशी वार्ड संख्या 6 से दीपा पालीवाल, 11 से हेमा सेन, 24 से गिरिराज कुमावत, 30 से इमरान खान डायर, 35 से कमलेश लोढ़ा, वार्ड संख्या 40 से नवनीत लड्ढा, व गोवर्धन लड्ढा ने अपना नामांकन उठाया है। जिलाध्यक्ष पालीवाल ने कहा कि भाजपा की जीत राजसमंद के विकास और सुशासन की जीत होगी।

देवगढ़ एसडीएम पर पक्षपात का आरोप : जिला कांग्रेस ने निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव प्रक्रिया से हटाने की मांग की

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला कांग्रेस कमेटी ने देवगढ़ उपखंड अधिकारी (रिटर्निंग ऑफिसर) पर सत्तारूढ़ दल के इशारे पर काम करने और घोर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलेक्टर) को ज्ञापन सौंपा है। जिलाध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में एसडीएम को तुरंत चुनाव प्रक्रिया से पृथक करने और जारी किए गए नोटिस को निरस्त करने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि देवगढ़ नगरपालिका चुनाव 2026 के नामांकन पत्रों की जांच के दौरान एसडीएम ने दबाव में आकर कांग्रेस प्रत्याशी सहित 3-4 निर्दलीय प्रत्याशियों के पर्चे खारिज कर दिए। जब पार्टी के निकाय चुनाव प्रभारी अजीत सिंह ने पर्चा निरस्तीकरण के वैधानिक कारण पूछते हुए सत्यापित प्रति मांगी और लिखित आपत्ति दर्ज करानी चाहीए तो अधिकारी ने स्पष्ट इनकार कर दिया। कांग्रेस का आरोप है कि अधिकारी अपना कमरा बंद करके बैठ गए और प्रत्याशी व प्रतिनिधि 4-5 घंटे तक बाहर खड़े रहे। काफी विरोध और वार्ता के बाद ही निरस्तीकरण की सत्यापित कॉपी दी गई। कांग्रेस का कहना है कि अपनी प्रशासनिक विफलता और मनमानी को छुपाने के लिए एसडीएम ने पार्टी प्रभारी अजीत सिंह को दुर्भावनापूर्ण नीयत से एकतरफा नोटिस जारी कर दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एसडीएम देवगढ़ को तुरंत चुनाव प्रक्रिया से हटाकर किसी अन्य निष्पक्ष अधिकारी को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया जाए। साथ ही अजीत सिंह को जारी किए गए नोटिस को तुरंत निरस्त करने और पद का दुरुपयोग करने वाले अधिकारी के विरुद्ध उच्चस्तरीय जांच कराकर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग भी की गई है।

श्रमिकों के अपने कार्ड की जानकारी बंद करना समाधान नहीं, जन सूचना पोर्टल पर पूरा विवरण फिर शुरू हो : राव

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राजस्थान असंगठित निर्माण मजदूर संघ ने श्रमिकों के श्रमिक कार्ड हिताधिकारी कार्ड एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के आवेदनों की जानकारी जन सूचना पोर्टल पर पुनः उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ के प्रदेश मंत्री फतेहसिंह राव ने इस संबंध में मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री को ज्ञापन भेजकर श्रमिकों के लिए सुरक्षित डिजिटल व्यवस्था बहाल करने की मांग की। राव ने बताया कि पूर्व में श्रमिक अपने पंजीयन/श्रमिक कार्ड नंबर के माध्यम से अपने कार्ड की स्थिति, नवीनीकरण तथा विभिन्न योजनाओं के आवेदनों की स्थिति स्वयं ऑनलाइन देख सकते थे। वर्तमान में यह सुविधा बंद या सीमित होने से श्रमिकों को अपने ही रिकॉर्ड की जानकारी के लिए ई-मित्र, एजेंट अथवा अन्य व्यक्तियों पर निर्भर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों द्वारा श्रमिकों की व्यक्तिगत जानकारी के संभावित दुरुपयोग की आशंका बताई गई है, लेकिन संघ के संज्ञान में इस संबंध में कोई प्रमाणित समाचार अथवा आधिकारिक रूप से सत्यापित व्यापक ठगी का मामला नहीं है। यदि डेटा के दुरुपयोग की आशंका है तो समाधान श्रमिकों की सुविधा बंद करना नहीं, बल्कि सुरक्षित डिजिटल सत्यापन व्यवस्था लागू करना होना चाहिए। संघ ने मांग की है कि जन सूचना पोर्टल पर श्रमिकों को अपने श्रमिक कार्ड का पूरा विवरण, पंजीयन एवं नवीनीकरण की स्थिति तथा योजनाओं के आवेदनों की स्थिति, स्वीकृति एवं निरस्तीकरण का कारण स्वयं देखने की सुविधा तत्काल पुनः शुरू की जाए। राव ने कहा कि पोर्टल पर मोबाइल नंबर जैसे सुरक्षित सत्यापन की व्यवस्था की जाए, ताकि श्रमिक को अपने ही रिकॉर्ड की पूरी जानकारी मिले और उसकी व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक भी न हो। पोर्टल को सरल, मोबाइल फ्रेंडली एवं हिंदी भाषा में उपलब्ध कराने की भी मांग की गई। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अपने अधिकारों की जानकारी के लिए बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। डिजिटल पारदर्शिता का उद्देश्य श्रमिक को सशक्त बनाना है, जानकारी से वंचित करना नहीं। साथ ही श्रमिकों को साइबर ठगी एवं अनधिकृत व्यक्तियों से सावधान रहने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की मांग की गई।

11884 उप-प्राचार्यों की वरिष्ठता का मामला :हाई कोर्ट डबल बेंच के फैसले पर रिव्यू और सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका से ही निकलेगा समाधान

- सितम्बर 2025 में तत्कालीन प्रचलित कार्यग्रहण तिथि नियमों से हुई थी नियमित डीपीसी
- सेवा हितों और प्रशासनिक स्थिरता के लिए प्रभावी पैरवी की उम्मीद

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राजस्थान शिक्षा विभाग में सितम्बर 2025 में संपन्न हुई उप-प्राचार्य की नियमित डीपीसी के बाद उप-प्राचार्य संवर्ग की वरिष्ठता का मामला एक बार फिर गंभीर कानूनी मोड़ पर आ चुका है। उच्च न्यायालय की डबल बेंच के हालिया प्रतिकूल निर्णय और सर्वोच्च न्यायालय में कुछ व्यक्तिगत विशेष अनुमति याचिकाओं के निस्तारण के बाद अब इस पूरे प्रकरण में केवल राज्य सरकार के स्तर पर की जाने वाली आगामी मजबूत कानूनी पैरवी ही एकमात्र विकल्प बची है। तत्कालीन प्रचलित विभागीय नियमों के तहत पूर्ण वैधानिकता के साथ कुल 11884 पदों पर आयोजित यह उप-प्राचार्य डीपीसी पूर्ण रूप से वैध है, क्योंकि यह प्रक्रिया तत्कालीन समय प्रभावी सरकारी नीति के तहत ही पूरी की गई थी। इस स्थिति को देखते हुए अब शिक्षा विभाग की स्थाई समिति के स्तर पर हाई कोर्ट की डबल बेंच के फैसले के खिलाफ वहीं रिव्यू पिटिशन दायर करने तथा सुप्रीम कोर्ट में भी संस्थागत रूप से रिव्यू पिटिशन के तहत जाकर नियमों की सही पैरवी किए जाने की राह देखी जा रही है। शिक्षा विभाग और कार्मिक विभाग के सेवा नियमों का इतिहास गवाह है कि कार्यग्रहण ही वरिष्ठता का सबसे ठोस वैधानिक आधार रहा है।

1. नियम 1973 (अधीनस्थ शिक्षा सेवा नियम): इस मूल नियम के तहत वरिष्ठता का निर्धारण मुख्य रूप से मंडल आधारित और निचले पद पर की गई निरंतर नियमित सेवा काल की अवधि (कार्यग्रहण) से ही तय होता था।

2. सितम्बर 1993 का स्पष्ट रूल : कार्मिक विभाग द्वारा 10 सितम्बर 1993 को जारी आदेश में विभिन्न कनिष्ठ शाखाओं से आने वाले कार्मिकों के लिए पारस्परिक वरिष्ठता का नियम तय किया गया। इस नियम के तहत भी विभिन्न संवर्गों के कार्मिकों की आपसी वरिष्ठता का मुख्य आधार नियमित नियुक्ति के बाद उनके कार्यग्रहण के पश्चात निरंतर स्थानापन्नता को ही माना गया था, जिसके बाद ही रैंक व आयु का नियम आता था।

3. वर्ष 2002 का विभिन्न विभागों का रूल : अक्टूबर-दिसम्बर 2002 में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर राज्य के 110 से अधिक विभागों के सेवा नियमों में बड़ा संशोधन किया। इसके तहत यह साफ तौर पर जोड़ा गया कि सीधी भर्ती और पदोन्नति कोटे के बीच पारस्परिक वरिष्ठता का अंतिम निर्धारण कार्मिकों द्वारा पद पर वास्तविक कार्यग्रहण की तिथि से ही किया जाएगा।

4. राजस्थान शिक्षा सेवा नियम, 2021 (नियम 36) : इसी कार्यग्रहण के सिद्धांत को अक्षरसः अपनाते हुए वर्ष 2021 के नवीन नियमों के नियम 36 में स्पष्ट प्रावधान किया गया कि एक ही भर्ती प्रक्रिया के तहत अलग-अलग विषयों से आने वाले प्राध्यापकों की आपसी वरिष्ठता का आधार कार्यग्रहण तिथि ही रहेगा। इसी नियम के तहत सितम्बर 2025 में उप-प्राचार्यों की नियमित डीपीसी निष्पक्षता से संपन्न हुई थी।

पूर्ववर्ती स्थापित नियमों की अवहेलना का खतरा और सूचियों में भारी फेरबदल

उच्च न्यायालय के इस फैसले से पूर्ववर्ती सेवा नियमों तथा स्थापित प्रशासनिक परंपराओं की अवहेलना होने का अंदेशा बढ़ गया है। यदि प्रचलित नियमों से छेड़छाड़ कर नए प्रावधानों को भूतलक्षी प्रभाव (पिछली तारीखों) से लागू किया जाता है, तो वर्ष 2005 से लेकर अब तक की गई सभी भर्तियां (प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी) और डीपीसी के माध्यम से बने व्याख्याता, वाइस प्रिंसिपल व प्रिंसिपल तक की समस्त वरिष्ठता सूचियां पूरी तरह प्रभावित और परिवर्तित हो जाएंगी। इसका सीधा परिणाम स्थापित प्रशासनिक ढांचे के बिखरने तथा अन्य संवर्गों व विभागों में भी चयन वर्ष व वरिष्ठता को लेकर नए कानूनी विवाद खड़े होने के रूप में सामने आ सकता है, जिससे समस्त विभागों में पदोन्नति प्रक्रियाएं ठप हो सकती हैं।

सामाजिक गरिमा और व्यवस्था पर प्रभाव

वर्तमान में कार्यरत 11000 से अधिक उप-प्राचार्य विद्यालयों के प्रशासनिक और शैक्षणिक ढांचे को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चूंकि विभाग के तत्कालीन विज्ञापनों और प्रचलित नियमों की शत-प्रतिशत पालना करते हुए ही इन कार्मिकों ने राजकीय दायित्व संभाला था, इसलिए इस स्तर पर यदि नियमों की नई व्याख्या के कारण संवर्ग में कोई भी फेरबदल या रिवर्शन (पदावनति) जैसी स्थिति बनती है, तो इससे न केवल इन अधिकारियों की सामाजिक गरिमा प्रभावित होगी, बल्कि शिक्षा विभाग की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पर भी इसका व्यापक असर पड़ना स्वाभाविक है। प्रशासनिक और न्यायिक संतुलन बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है कि राज्य सरकार इस विसंगति का समय पर संज्ञान ले और 11000 से अधिक परिवारों के हितों व प्रशासनिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट डबल बेंच और सुप्रीम कोर्ट दोनों जगह प्रभावी रिव्यू की प्रक्रिया सुनिश्चित करे।

राष्ट्रीय लोक अदालत अब 10 अक्टूबर को

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के कार्यक्रम में परिवर्तन किया गया है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 12 सितंबर को आयोजित होने वाली तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत को अब 10 अक्टूबर को पुनर्निर्धारित किया गया है। इसके तहत राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर एवं जयपुर पीठ तथा समस्त अधीनस्थ न्यायालयों, न्यायाधिकरणों, प्राधिकरणों, आयोगों, मंचों एवं अन्य अर्द्धन्यायिक कार्यवाहियों की सुनवाई करने वाले प्राधिकारियों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन अब 10 अक्टूबर को किया जाएगा।

जयवर्द्धन सम्पादकीय

तकनीक की लत के शिकार होते बच्चे

इन दिनों दुनिया भर में बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम पर चिंता जताई जा रही है। आस्ट्रेलिया ने सबसे पहले 16 साल तक के बच्चों पर स्कूल में मोबाइल ले जाने और टिकटाक, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब आदि के इस्तेमाल पर रोक लगाई। ब्राजील, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन आदि देशों ने भी थोड़े-बहुत फेरबदल के साथ ऐसा किया है। फ्रांस, ब्रिटेन, स्पेन, कनाडा, पुर्तगाल, इटली, दक्षिण कोरिया आदि देश भी ऐसा कर रहे हैं या तैयारी में हैं।

इस मामले में भारत में हिमाचल सरकार ने स्कूलों में मोबाइल ले जाने पर पाबंदी लगा दी है। कर्नाटक की सरकार 16 साल तक के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया पर बैन और स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर लगाम कसेगी। आश्चर्यजनक रूप से अमेरिका में ऐसा नहीं किया गया है। इसका कारण शायद यह है कि तमाम बड़ी टेक कंपनियां अमेरिकी ही हैं। इन्होंने ही ऐसे एल्गोरिदम विकसित किए हैं, जो बच्चों को फोन और डिजिटल मीडिया की लत लगा देते हैं। इससे इन्हें भारी मुनाफा होता है। पूंजी के मालिकों को वही भगवान लगती है, दुनिया के बच्चों का क्या होता है, यह दुनिया जाने।

टेक कंपनियों के मालिक यह जानते हैं कि बच्चों पर मोबाइल स्क्रीन और उन पर देखे जाने वाले तमाम कार्यक्रमों का क्या असर पड़ता है। इसलिए वे अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखते हैं। है न कमाल। एक तरफ यह सिखाया गया है कि तकनीक ही असली भगवान है। अगर बच्चों ने जल्द से जल्द इसे नहीं सीखा तो सफलता और जीवन की रेस में पिछड़ जाओगे और दूसरी तरफ उन्हें इसी तकनीक का लती बनाया जा रहा है। पिछले दिनों एक बड़ी टेक कंपनी के मालिक ने अपनी दूसरी बेटी के जन्म पर खुशी प्रकट करते हुए एक पत्र में लिखा कि बच्ची बाहर खेलेगी। फूलों की खुशबू को महसूस करेगी। पत्तों को देखेगी।

ऐसी ही एक और बड़ी टेक कंपनी के कर्ता-धर्ता अपने बच्चे को मोबाइल के पास भी नहीं फटकने देते। एक और बड़ी टेक कंपनी के सर्वेसर्वा ने 11 साल की उम्र तक अपने बेटे को फोन से दूर रखा। इसी तरह कंप्यूटर की दुनिया में बहुत नाम कमाने वाली कंपनी के बड़े भारतीय अफसर ने अपने बच्चों को 14 साल की उम्र तक फोन का इस्तेमाल नहीं करने दिया। एक और टेक कंपनी के प्रमुख अपने बच्चों के स्क्रीन टाइम को लेकर समय के बहुत पाबंद हैं। एआइ से जुड़े एक दिग्गज अपने बच्चों के जीवन में एआइ की घुसपैठ जल्दी नहीं कराना चाहते। साफ है कि ये लोग चाहते हैं कि इनके बच्चे मिट्टी की सुगंध महसूस करें। प्रकृति को जीवन का हिस्सा बनाएं। हमेशा भगदड़ में रहने के मुकाबले अकेले रहना भी सीखें।

आज अमेरिका समेत पश्चिमी देशों में ऐसे बहुत से पार्क हैं, जहां बच्चों को विशेष रूप से मिट्टी में खेलने के लिए ले जाया जाता है। कहते हैं कि इससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। इसकी तगड़ी फीस भी देनी पड़ती है। यही नहीं वहां बच्चे ऐसे स्कूलों में भी पढ़ते हैं, जहां मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी है। एक समय अपने यहां भी मिट्टी में खेलने को जीवन का आवश्यक अंग माना जाता था, लेकिन बैक्टीरिया और रोगों का डर दिखाकर बच्चों से दूर कर दिया गया। सोचने की बात यह है कि अगर आप धनकुबेर हैं, तो आपके लिए अलग नियम हैं और दूसरों के लिए अलग। आपके बच्चे मोबाइल,कंप्यूटर, टीवी, डिजिटल मीडिया से दूर रहें और दूसरे बच्चों को यह सिखाया जाए कि यदि जीवन में ये चीजें नहीं, तो कुछ नहीं। आप हर रेस में पिछड़ जाएंगे। यह सब पढ़ते हुए आमजन को मूर्ख बनाने के कितने ही तरीके याद आ रहे थे। बहुत पहले बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियां एक खास ब्रांड के साबुन का विज्ञापन करती थीं। इस साबुन का विज्ञापन करने वाली किसी भी हीरोइन ने शायद ही कभी इसका इस्तेमाल किया हो। चाकलेट का विज्ञापन बहुत से अभिनेता-अभिनेत्रियां करते हैं।

सनराइज एकेडमी में धूमधाम से मना जन्माष्टमी पर्व

- नन्हे राधा-कृष्ण के रूपों और मटकी फोड़ ने मोहा मन

जयवर्द्धन न्यूज़

नाथद्वारा। स्थानीय सनराइज एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम के दौरान पूरा विद्यालय परिसर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के रंगों में सराबोर नजर आया। नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा और कृष्ण की मनमोहक पोशाकों में सज-धजकर पहुंचे। बच्चों की मासूम मुस्कान और आकर्षक रूप ने ऐसा समां बांधा मानो गोकुल और वृंदावन स्वयं विद्यालय परिसर में उतर आए हों। समारोह का मुख्य आकर्षण मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही, जिसमें नन्हे बाल-गोपालों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं ज्ञानवर्धक

नाथद्वारा। सनराइज एकेडमी स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर राधा कृष्ण के स्वरूप में सजे विद्यार्थी।

प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने चित्रकला में श्रीकृष्ण के बाल-स्वरूपों के सुंदर चित्र बनाए और कहानी वाचन के माध्यम से उनके जीवन प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों ने भक्तिमय भजनों व कविताओं की सुंदर प्रस्तुतियां देने के साथ-साथ कृष्ण लीलाओं पर आधारित क्विज प्रतियोगिता में अपने ज्ञान का परिचय दिया। प्रधानाचार्या शिप्रा भाटिया के मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय त्योहार हमारी समृद्ध संस्कृति और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं। पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन बच्चों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

टैक्स ऑडिट की पाठशालाः सीए शाखा ने सेक्शन 43 बी(एच) और एमएसएमई भुगतान पर आयोजित किया तकनीकी सत्र

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की शाखा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय टैक्स ऑडिट की पाठशाला श्रृंखला के तीसरे सत्र में आयकर अधिनियम के सेक्शन 43 बी(एच) एमएसएमई भुगतान, टैक्स ऑडिट रिपोर्टिंग और पेशेवर निर्णयों पर गहन तकनीकी चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए दिनेश चंद्र सनाढ्य ने कहा कि सेक्शन बी(एच) को केवल आयकर कानून के रूप में न देखकर, इसे एमएसएमई अधिनियम 2006 और टैक्स ऑडिट रिपोर्टिंग

राजसमंद। टैक्स ऑडिट की पाठशाला द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते सीए दिनेश सनाढय।

के साथ मिलाकर समझना आवश्यक है। उन्होंने एमएसएमईडी एक्ट की धारा 15 के तहत माइक्रो एवं स्मॉल उद्योगों को भुगतान की वैधानिक समय-सीमा और उसके कर प्रभावों पर व्यावहारिक जानकारी दी। सीए सनाढ्य ने स्पष्ट किया कि केवल 31 मार्च की बैलेंस शीट में एमएसएमई लेनदारों का बकाया देखकर कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। एक कुशल टैक्स ऑडिटर को विक्रेता का एमएसएमई स्टेटस, उद्यम रजिस्ट्रेशन, इनवॉइस, एग्रीमेंट, देय तिथि, भुगतान की वास्तविक तारीख और बैंक रिकॉर्ड्स का मिलान करना चाहिए। उन्होंने बुक्स से लेकर फॉर्म 3 सीडी तक की ऑडिट ट्रेल को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। सत्र के दौरान ट्रेडर एमएसएमई, मीडियम एंटरप्राइज, कैपिटल खर्च और ब्याज की अस्वीकृति से जुड़े विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा की गई। शाखा द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय श्रृंखला के आगामी सत्र 12 और 19 सितंबर को आयोजित किए जाएंगे।

बंदूकों की सलामी के साथ आज प्रभु के जन्म उद्घोषणा : फिर प्रभु देंगे दर्शन

- श्री द्वारकाधीश मंदिर में जन्माष्टमी व नंद महोत्सव की तैयारियां पूर्ण : विद्युत रोशनी से सजा मंदिर

- जन्माष्टमी पर्व आज, कल होगा नंद महोत्सव - अनूठा है प्रभु द्वारकाधीश मंदिर कांकरोली में जन्माष्टमी का पर्व

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। कांकरोली स्थित पुष्टि संप्रदाय की तृतीय पीठ प्रभु श्री द्वारकाधीश मंदिर कांकरोली में शुक्रवार को हर्ष और उल्लास के साथ जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। महोत्सव को लेकर तृतीय पीठाधीश्वर गोस्वामी डॉ वागीश कुमार महाराज की मौजूदगी में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महोत्सव पर द्वारकाधीश मंदिर में कई तरह के विशेष आयोजन होंगे। शुक्रवार प्रातः मंगला दर्शन के पश्चात प्रभु द्वारकाधीश का पंचामृत स्नान होगा। जिसमें प्रभु श्री द्वारकाधीश को दूध, दही, घी शक्कर और जल से पंचामृत स्नान करवाया जाएगा। तत्पश्चात प्रभु द्वारकाधीश का विशेष श्रंगार किया जाएगा, श्रृंगार के दर्शन में प्रभु द्वारिकाधीश को तिलक धराया जाएगा, वहीं राजभोग के दर्शन में द्वारकेश पलटन और द्वारकेश बैंड द्वारा प्रभु को सलामी दी जाएगी। दोपहर तक के सभी नियमित दर्शनों के पश्चात शाम 8 बजे प्रभु द्वारकाधीश के जागरण के दर्शन खुलेंगे जो, रात्रि 11:45 बजे यह दर्शन बंद हो जाएंगे। तत्पश्चात मंदिर पुरोहित द्वारा ग्रहों की गणना व स्थिति के आधार पर प्रभु जन्म का समय निर्धारित होता है और उस पर प्रभु के जन्म के दर्शन खुलते हैं जो मध्य रात्रि ठीक 12 बजे बाद दर्शन खुलेंगे। रात ठिक 12 बजे घंटे-घड़ियाल, तोप की गर्जना, बैंड-बाजे और नगाड़ों की गूंज के साथ एवं द्वारकेश गार्ड द्वारा बंदूकों की सलामी के साथ प्रभु के जन्म उद्घोषणा के बाद प्रभु के दर्शन खुलेंगे। यह दर्शन जन्म के दर्शन कहलाते हैं। इन दर्शनों में ही प्रभु के छोटे स्वरूप शालिग्राम का पंचामृत स्नान किया जाता है।

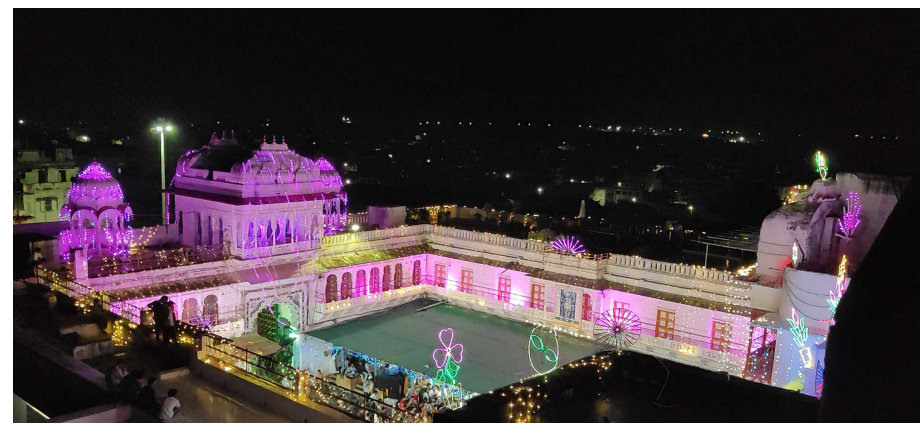

रतन चौक में उछलेगा दूध-दही, मनेगा नंद महोत्सव

शनिवार को नवमी के दिन प्रभु के जन्म की खुशियां मनाने के लिए नंद महोत्सव आयोजित होगा। ग्वाल झांकी के समय रतन चौक में मंदिर के प्रधान मुखिया नंद बाबा तथा गोस्वामी परिवार की ओर से यशोदा मैया का रूप धारण किया जाएगा। वहीं सेवक गोपी-ग्वाल बनकर दूध-दही उछालते हुए नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की के मंगल गान पर झूम उठेंगे। इस दौरान गोस्वामी महाराज व परिवार के सदस्य शामिल होकर नंदगांव का भाव साकार करेंगे। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और रामदेव जातरुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन व पुलिस विभाग ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। यातायात नियंत्रण, खिड़क में पार्किंग व्यवस्था और खेवा पद्धति से दर्शन कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि दर्शनार्थियों को कोई परेशानी न हो।

केसर से रंगे वस्त्र, शुरू हुई विद्युत सज्जा

जन्माष्टमी के दूसरे दिन शनिवार को मनाए जाने वाले नंद महोत्सव के दौरान प्रभु द्वारकाधीश को सोने के पलने में विराजित कर झूला झुलाया जाएगा। प्रभु के सम्मुख कई तरह के सोने-चांदी और लकड़ी से बने खिलौने चलाए जाते हैं, वहीं ग्वाल-बाल कंकू, केसर युक्त दूध दही की होली खेलेंगे। उस दौरान पूरा मंदिर परिसर नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की..... के जयकारों से गूंज उठता है। इस अद्भुत नजारे के दर्शन करने के लिए राजस्थान प्रांत के अलावा गुजरात, महाराष्ट सहित दूर-दूर से वैष्णवजन द्वारकाधीश मंदिर आते हैं। 2 दिन के इस अद्भुत महोत्सव में हजारों श्रद्धालु कृष्ण जन्मोत्सव के आनंद से सराबोर होते हैं और प्रभु की जय जय कार करते हैं। मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर आरंभ हुई तैयारियां गुरूवार को अंतिम रूप दिया गया। द्वारकाधीश मंदिर में शाम को प्रभु के जागरण के दौरान शहर वासियों की ओर से गोवर्धन चौक में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

जन्माष्टमी व नंद महोत्सव पर दर्शनों की समय सारणी

जन्माष्टमी पर मंगला दर्शन सुबह 5 बजे, पंचामृत स्नान सुबह 5:30 बजे, श्रृंगार सुबह 10:35 बजे, राजभोग दोपहर 1:30 बजे, उत्थापन शाम 6 बजे, भोग शाम 7 बजे, आरती शाम 7:30 बजे, शयन रात्रि 9:40 बजे, जागरण दर्शन रात्रि 10 बजे तथा जन्म दर्शन मध्यरात्रि 12बजे होंगे। अगले दिन नंद महोत्सव पर ग्वाल व पलना के दर्शन सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक होंगे, जबकि शाम 5:30 बजे भोग व आरती तथा शाम 8:30 बजे शयन के दर्शन होंगे। नंद महोत्सव के दिन उत्थापन के दर्शन नहीं खुलेंगे।

जन्माष्टमी की तैयारी को लेकर द्वारकाधीश मंदिर में केसर से वस्त्रों को रंगने की परम्परा निभाई गई। जिसमें मंदिर के मुखिया भीतरिया और सेवादारों ने उक्त सेवा को संपन्न किया। वहीं विद्युत सज्जा का कार्य भी पूरे जोर-शोर से किया जा रहा है।

कॉलेज पात्रता परीक्षा 'सेट' की तिथि आगे बढ़ाने की मांग, मेवाड़ शिक्षित युवा संघर्ष समिति ने की बैठक

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। कोटा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कॉलेज पात्रता परीक्षा (सेट एग्जाम) की निर्धारित तिथि को आगे बढ़ाने की मांग को लेकर मेवाड़ शिक्षित युवा संघर्ष समिति की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष अशोक टेलर ने बताया कि राजस्थान में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव के चलते बड़ी संख्या में राजकीय कर्मचारी तथा निजी शिक्षण संस्थानों के कार्मिक चुनावी ड्यूटी व प्रशासनिक व्यवस्थाओं में व्यस्त हैं। राष्ट्रीय व लोकतांत्रिक कार्य में लगातार संलिप्त रहने के कारण अभ्यर्थियों को परीक्षा की उचित व पूर्ण तैयारी का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में सेट परीक्षा का आयोजन काफी लंबे अंतराल के बाद हो रहा है, ऐसे में अभ्यर्थियों के भविष्य को ध्यान में रखना बेहद आवश्यक है। संघर्ष समिति ने राज्य सरकार और परीक्षा आयोजक विश्वविद्यालय से पुरजोर मांग की है कि 13 सितंबर को प्रस्तावित इस परीक्षा की तिथि को आगे बढ़ाया जाए, ताकि सभी अभ्यर्थियों को तैयारी का समान और उचित अवसर मिल सके। बैठक में निर्मल पालीवाल, मोतीलाल कुमावत, नरेश सालवी, ख्यालीलाल कुमावत और अशोक कुमावत सहित समिति के कई सदस्य व अभ्यर्थी मौजूद थे।

नन्द के आनन्द भयो, जय कन्हैयाल की... की गूंज के साथ मना श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

- बाल लीला व मटकी फोड़ के साथ मना आनंदोत्सव

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। आलोक स्कूल के महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में भाग लेते विद्यार्थी।

राजसमंद। सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

राजसमंद। आलोक स्कूल में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की, नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, के जयकारों गुंजायमान हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रशासक मनोज कुमावत, प्राचार्य ललित गोस्वामी, सहायक प्रशासक ध्रुव कुमावत, विद्या कुमावत, पूर्वाई कुमावत ने भगवान लड्डू गोपाल की झांकी व मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया। इस दौरान कक्षा नर्सरी से कक्षा 3 तक के छोटे बच्चों के अभिभावक मौजूद थे। नन्हे छात्र कन्हैया व बाल गोपाल व छात्राओं ने राधा, रुक्मणि व गोपियों का स्वरूप धरा। नन्हें बच्चों ने कन्हैया व राधा का रूप धारण कर झांकियों में अपनी लीला दर्शायी। वासुदेव देवकी, कृष्ण जन्म, यमुना पार करते वासुदेव, छाछ बिलोती यशोदा, कालिया नाग दमन, कंस वध, रासलीला व हांडी फोड़ से सम्बंधित झांकियां सजी जिसमे इन नन्हों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। विद्यार्थियों ने मोह रंग छेल छबिला व छात्रा जीविका कौशिक ने कृष्णमय कर्णप्रिय गीतों पर अपने सुंदर समूह नृत्य की अनेक झांकियों के साथ प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को गोकुलधाम बना दिया। प्राचार्य ललित गोस्वामी ने अपने उद्बोधन में सबको बधाई देकर भगवान कृष्ण की भक्ति ज्ञान व योग को अपने जीवन में अपनाने का सन्देश दिया।

सेंट पॉल्स में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी पर्व: कृष्ण भक्ति में झूम उठे विद्यार्थी

सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य फादर जॉनी मैथ्यू एवं शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल-रूप से लेकर महाभारत काल तक की दिव्य लीलाओं, श्रीमद्भगवद्गीता के अमूल्य ज्ञान और उपदेशों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने कविता, भक्ति गीत और महारास के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए प्रेम, करुणा और धर्म के संदेश को जीवंत किया, जिससे पूरा विद्यालय परिसर कृष्णमय हो गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में विद्यार्थियों द्वारा प्रभु श्रीजगन्नाथ जी की मनोहारी झांकी सजाई गई और महाप्रसाद का भोग लगाया गया। प्रधानाचार्य फादर जॉनी मैथ्यू ने विद्यार्थियों को गीता के निष्काम कर्म योग का मर्म समझाते हुए कहा कि हमें फल की चिंता किए बिना केवल अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को भगवान विष्णु के दस अवतारों के बारे में जानकारी दी।

कृष्ण-राधा के रूप में सजे नन्हे बाल-गोपाल

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर जवाहर बाल मंदिर स्कूल मोही में कृष्ण-राधा बनो कार्यक्रम के दौरान प्ले ग्रुप एवं प्राथमिक कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा रानी के आकर्षक और मनमोहक स्वरूप में सज-धजकर विद्यालय पहुंचे। संस्था प्रधान दिलीप कुमार पाराशर ने बताया कि माखन चोर कान्हा और राधा रानी की सुंदर वेशभूषा में सजे बाल-गोपालों ने अपनी मासूम हरकतों और सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। बच्चों के इस रूप से पूरा विद्यालय परिसर भक्ति और उत्सव के रंगों में सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, उनके दिव्य आदर्शों और शिक्षाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिससे बच्चे अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं से जुड़ सकें।

डूंगावास सरकारी विद्यालय में नन्हे बाल-गोपालों ने रोपे पौधे, बनाई पंचवटी

भीम उपखंड की खींमाखेड़ा ग्राम पंचायत स्थित राउप्रावि डूंगावास में मनाए गए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में नन्हे विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण, राधा, रुक्मणी और सुदामा के मनमोहक रूप धरकर सुंदर प्रस्तुतियां दीं। हरियालो राजस्थान कार्यक्रम 3.0 के अंतर्गत सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सूबेदार भंवरसिंह चौहान की उपस्थिति में श्रीकृष्ण, राधा, रुक्मणी और सुदामा बने बच्चों सहित विभिन्न सदनों के विद्यार्थियों ने जामुन, अमरूद, गुलमोहर, तुलसी और क्रिसमस ट्री के पौधे लगाकर पंचवटी तैयार की। सह-शैक्षणिक गतिविधियों व यूथ एंड इको क्लब प्रभारी शिक्षक कैलाश चंद सामोता के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यवाहक संस्था प्रधान सीता योगी, दीपा सालवी, वसीम अकरम, सुनीता मीणा, प्रसन्न गुर्जर सहित समस्त विद्यालय परिवार और विद्यार्थी मौजूद थे।

टीबी मुक्त भारत अभियान : जिला क्षय निवारण केंद्र पर अरबन क्षेत्र की समीक्षा बैठक आयोजित

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला क्षय निवारण केन्द्र पर आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देश देते अधिकारी।

राजसमंद। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में संचालित गतिविधियों की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर जिला क्षय निवारण केंद्र पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता डॉ संघर्ष जैन ने की। बैठक में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ रामनिवास जाट ने पीपीटी के माध्यम से अभियान के अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों, उपलब्धियों और आगामी रणनीति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान अरबन क्षेत्र के सभी बीसीएमओ, सीएचसी व पीएचसी इंचार्ज तथा एनटीईपी के कार्मिक मौजूद थे। डॉ रामनिवास जाट ने कहा कि जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी कार्मिकों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने संभावित रोगियों की समय पर पहचान, जांच, नियमित उपचार और आमजन में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाकर जिले को टीबी मुक्त करने में अपना सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

चित्रांकन प्रतियोगिता में कन्या महाविद्यालय की छात्रा काव्या श्रीमाली प्रथम

नाथद्वारा। कन्या महाविद्यालय में आयोजित चित्राकंन प्रतियोगिता में काव्या श्रीमाली द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्वागत करते प्रोफेसर।

जयवर्द्धन न्यूज़

नाथद्वारा। कन्या महाविद्यालय नाथद्वारा की बीए प्रथम वर्ष की छात्रा काव्या श्रीमाली ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। काव्या ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रीनाथजी मंदिर मंडल के पुष्टि प्रसार प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित जिला स्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

छात्रा की इस शानदार उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो मोनिका रोत ने उन्हें उपरणा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। प्राचार्य रोत ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य छात्राओं को भी विभिन्न सह-शैक्षणिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करती हैं।

अटल ज्ञान केंद्र का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

राजसमंद। मोही में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण करते अधिकारी व जनप्रतिनिधी।

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला मुख्यालय समीपवर्ती मोही गांव में संचालित अटल ज्ञान केंद्र एवं डिजिटल लाइब्रेरी का गुरुवार को औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र की व्यवस्थाओं, साफ.-सफाई तथा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उपसरपंच दिग्विजय सिंह भाटी, ग्राम विकास अधिकारी निधि आचार्य, कनिष्ठ सहायक हीरालाल कुमावत, पटवारी दिलीप सिंह खिचड़, सुरेश चंद्र पुर्बिया, तुलसीराम तेली, यशवंत तेली, मेट सुनील कुमार एवं भीमराज पुर्बिया मौजूद थे। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने केंद्र की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा विद्यार्थियों को सुविधाजनक अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

एपीजे अब्दुल कलाम व्यक्तित्व विकास योजना में गांवगुड़ा के अंश ने मारी बाजी

- जिला स्तरीय अंग्रेजी माध्यम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर सरकारी विद्यालय का बढ़ाया गौरव

जिला स्तरीय अंग्रेजी माध्यम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पीएमश्री स्कूल गांवगुड़ा के छात्र अंश पालीवाल को सम्मानित करते प्रधानाचार्य व शिक्षक।

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। एपीजे अब्दुल कलाम व्यक्तित्व विकास योजना के तहत राबाउमावि आसोटिया कांकरोली में आयोजित जिला स्तरीय अंग्रेजी माध्यम प्रतियोगिता में पीएमश्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गांवगुड़ा के छात्र अंश पालीवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। अंश की इस उपलब्धि पर पीएमश्री स्कूल में विद्यालय की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह में प्रधानाचार्य भंवरलाल गुर्जर ने अंश को पगड़ी एवं उपरना ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान महेंद्र कुमार, राहुल सोनी, जितेंद्र शर्मा, पवन कुमार जोशी, राहुल कुमार, देवांगना वसीटा, रेणुका पालीवाल, दिलीप चंदेल, किशनलाल, निशा आमेटा, रेखा सोनी, रमेशचंद्र, प्रेमसिंह, पृथ्वीराज, गीता राजपूत सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे। अंश की सफलता ने ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं और सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त खबरें

विद्यासंबल या मानसिक तनाव, स्पष्ट सूची के अभाव में भटकने को मजबूर अभ्यर्थी

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राज्य में विद्यासंबल योजना के तहत पात्र अभ्यर्थियों से ऑफलाइन आवेदन मांगे जा रहे हैं, लेकिन अंतिम रूप से स्वीकृत और स्पष्ट रिक्त पदों की सूचना जारी न होने से अभ्यर्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदन की अंतिम तिथि 7 सितंबर तक निर्धारित है, परंतु जिलों द्वारा अंतिम रिक्त पद सूची पोर्टल पर सार्वजनिक न किए जाने से योजना का लाभ पाने की उम्मीद लगाए बैठे युवाओं का समय और धन दोनों व्यर्थ हो रहे हैं। वर्तमान में अभ्यर्थी केवल संभावित पदों के आधार पर विभिन्न स्कूलों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। अभ्यर्थियों को यह तक जानकारी नहीं मिल पा रही है कि संबंधित विद्यालय में वास्तव में पद रिक्त है या नहीं। स्पष्ट दिशा-निर्देशों और पारदर्शी सूचना प्रणाली के अभाव में युवाओं के लिए यह प्रक्रिया राहत के बजाय मानसिक तनाव का कारण बनती जा रही है। बेरोजगार अभ्यर्थियों ने शिक्षा विभाग और प्रशासन से मांग की है कि आवेदन की समय-सीमा के भीतर पोर्टल पर सभी जिलों के रिक्त पदों की अंतिम सूची तुरंत प्रभाव से अपलोड की जाए, ताकि अभ्यर्थियों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल सके और आवेदन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके।

श्रीनाथजी के दिव्य स्वरूप से रूबरू हुए नन्हे विद्यार्थी

जयवर्द्धन न्यूज़

नाथद्वारा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर टाइनी हार्ट्स स्कूल की ओर से विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों ने म्यूजियम ऑफ ग्रेस-श्रीनाथजी संग्रहालय का भ्रमण कर श्रीनाथजी के दिव्य स्वरूप और पुष्टिमार्ग की परंपराओं को करीब से जाना। संग्रहालय में बच्चों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की महत्ता, श्रीनाथजी के प्राकट्य, पुष्टिमार्ग की परंपरा तथा नाथद्वारा के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी गई। चित्रों, झांकियों और प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को श्रीकृष्ण की लीलाओं एवं श्रीनाथजी के स्वरूप से परिचित कराया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों ने भजनों का आनंद लिया और उत्साहपूर्वक प्रश्नोत्तर में भाग लिया।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक जानकारी को प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से जानकर बच्चे खासे उत्साहित नजर आए। संचालिका आंचल सांचीहर ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को त्योहारों और भारतीय संस्कृति की जानकारी किताबी ज्ञान के साथ-साथ प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से देना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

शिव बाल निकेतन विद्यालय में मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

जयवर्द्धन न्यूज़

अनुराधा कौशिक द्वारा व्यक्त किया गया।

राजसमंद। शिव बाल निकेतन उप्रावि में जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। इस दौरान विद्यालय छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए भगवान श्रीकृष्णा के जीवन से संबंधित रचनाएं पेश की, कक्षा आठवीं की छात्रा निशा रेगर, भाविका भोई ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति दी। प्रधानाध्यापक सुनील कुमार कौशिक ने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का महत्व एवं श्रीकृष्णा के विभिन्न उपदेशों की जानकारी दी। समापन श्रीकृष्ण के भजन आरती एवं प्रसाद के साथ हुआ। आभार प्रबंध सचिव

शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त चुनाव के लिए राजसमंद पुलिस मुस्तैद

- एसपी हेमंत कलाल ने समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में एसपी हेमंत कलाल की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें चुनावी तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में एएसपी महेंद्र पारीक, एएसपी त्वरित अनुसंधान प्रकोष्ठ बंशीलाल सहित जिले के सभी वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारी मौजूद रहे। एसपी कलाल ने अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील मतदान केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने, प्रभावी गश्त बढ़ाने और नाकाबंदी को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने थानाधिकारियों को वांछित अपराधियों की धरपकड़, गिरफ्तारी वारंटों के त्वरित निस्तारण तथा असामाजिक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित होने से रोकने के लिए अवैध शराब, हथियारों की तस्करी और नकदी या उपहार वितरण जैसी संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। साथ ही संबंधित क्षेत्रों के लाइसेंसी हथियारों को शत-प्रतिशत जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने स्पष्ट किया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों और आदर्श आचार संहिता की अवहेलना पर तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजसमंद। आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर आयोजित अपराध बैठक को संबोधित करते एसपी हेमंत कलाल।

शिक्षण संस्थानों में साइबर सुरक्षा और नशा मुक्ति के लिए राजसमंद पुलिस का विशेष अभियान

- विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। पुलिस मुख्यालय और महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देशानुसार तथा एसपी हेमंत कलाल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस द्वारा जिले के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में साइबर सुरक्षा एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा टैगोर डिफेंस एकेडमी में विद्यार्थियों और शिक्षकों को जागरूक किया गया। एसआरके कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उप अधीक्षक नेत्रपाल सिंह ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। साथ ही उन्होंने मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने, गलत संगति से बचने और शिक्षा, खेलकूद जैसी सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशा न करने और दूसरों को भी नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। साइबर सुरक्षित राजस्थान अभियान के तहत कांकरोली थानाधिकारी सरोज बैरवा ने टैगोर डिफेंस एकेडमी में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की बारीकियों से अवगत कराया। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को फर्जी लॉटरी, पार्ट-टाइम जॉब, केवाईसी अपडेट, फर्जी निवेश, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड और फर्जी लिंक के जरिए होने वाली ठगी से सावधान किया। विद्यार्थियों को किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करने, अपने ओटीपी, यूपीआई पिन, पासवर्ड और बैंक खाते से जुड़ी जानकारी किसी से साझा न करने की सलाह दी गई। इसके अलावा सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करने, साइबर बुलिंग, मॉर्फिंग और साइबर स्टॉकिंग से सतर्क रहने को कहा गया। पुलिस ने किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करने या राष्ट्रीय पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने का आह्वान किया है।

राजसमंद। जिला पुलिस द्वारा संचालित साइबर सुरक्षा और नशा मुक्ति अभियान के तहत विद्यार्थियों को शपथ दिलाते अधिकारी।

लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजनः दही हांडी प्रतियोगिता में गंगा सदन रहा प्रथम

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल के प्राचार्य डॉ संजय अभिषेक के मार्गदर्शन एवं कृष्णा सदन के संयोजन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह के दौरान राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने भजन, नृत्य और कृष्ण-लीलाओं की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन वृत्त पर वार्ता प्रस्तुत की तथा उनके जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक घटनाओं का सुंदर मंचन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चारों सदनों के मध्य आयोजित रोमांचक दही हांडी प्रतियोगिता रही। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गंगा सदन ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कृष्णा सदन द्वितीय, कावेरी सदन तृतीय और यमुना सदन चतुर्थ स्थान पर रहा। रंग-बिरंगी मटकियों व आकर्षक सजावट से पूरा विद्यालय परिसर सराबोर नजर आया। संस्थान के संयुक्त उपाध्यक्ष मुकुल जैन एवं विद्यालय प्रबंधक पारस जैन ने भगवान श्रीकृष्ण के बताए सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। वहीं प्राचार्य डॉ संजय अभिषेक ने गीता के उपदेशों व कर्मयोग का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के उच्च जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

राजसमंद। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के तहत लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सजाई गई झांकी।

अतिरिक्त निदेशक ज्योति ककवानी ने किया मेडिटूरिज्म सेंटर व आयुर्वेद महाविद्यालय नाथद्वारा का निरीक्षण

जयवर्द्धन न्यूज़

नाथद्वारा। आयुर्वेद विभाग अजमेर की अतिरिक्त निदेशक ज्योति ककवानी ने बिल्ली की भागल स्थित मेडिटूरिज्म एंड वैलनेस सेंटर तथा राजकीय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक एकीकृत महाविद्यालय नाथद्वारा का विस्तृत निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। आयुर्वेद उपनिदेशक डॉ रमेश चंद्र मीणा ने बताया कि बिल्ली की भागल में राजस्थान का पहला पायलट प्रोजेक्ट मेडिटूरिज्म एंड वैलनेस सेंटर आकार ले रहा है। निरीक्षण के दौरान मेडिटूरिज्म एंड वैलनेस प्रभारी डॉ विनोद शर्मा ने नवीन भवन निर्माण और उससे जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्या डॉ दीप्ति शाह ने नवनिर्मित भवन के निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुए अतिरिक्त निदेशक को पूरे परिसर का भ्रमण कराया। इस दौरान महाविद्यालय प्रोफेसर द्वारा अतिरिक्त निदेशक ककवानी का स्वागत किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक ललिता कुंवर के लिये मुद्रक वेदान्त प्रभाकर द्वारा मेधा कप्यूटर्स, नंद भवन, कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा से मुद्रित व ग्राम बागोटा, डाकघर सांगठकला जिला राजसमंद, राजस्थान - 313324 से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह राठौड़ । पत्र पंजीयन संख्या आर.एन.आई. RJBIL/26/A5478। सभी प्रकार के प्रसंगो का न्याय क्षेत्र राजसमंद ही रहेगा ।